पंजीयन क्र. 50309/85 के अन्तर्गत भारत सरकार के समाचार पत्रों के रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत। डाक पंजीयन क्र. म.प्र./261/ भोपाल/2006-08

उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ इलाके का एक छोटा-सा शहर है अल्मोड़ा। यहाँ का दशहरा और यहाँ की रामलीला दोनों खूब मशहूर हैं। कभी रामलीला में भाग लेने लोग कलकत्ता, मुम्बई, दिल्ली से यहाँ आते थे। "हुक्का क्लब" तो आज भी मनोरंजन से भरपूर रामलीला करने के लिए मशहूर है। यह क्लब रामलीला के सभी पात्रों की वेशभूषा, गहने आदि सब कुछ खुद ही तैयार करता है। रामलीला में शास्त्रीय संगीत का प्रयोग इसे और मधुर बनाता है। लगभग एक महीने पहले से अलग-अलग ईश्वर और धर्म में विश्वास करने वाले लोग रामलीला की तैयारियों में जुट जाते हैं। इतने लोगों के मिलकर काम करने से यह रामलीला और मीठी हो जाती है। आमतौर पर रामलीला में स्त्री पात्रों की भूमिका भी पुरुष ही करते हैं पर अल्मोड़ा की रामलीला में ऐसा नहीं होता है। यहाँ महिलाएँ और पुरुष मिल-जुलकर भूमिकाएँ करते हैं। दशहरे के समय लगता है पूरा अल्मोड़ा दशहरा मैदान पर आ गया है। राक्षसों के एक से एक भयानक और विशाल पुतले ढोल-नगाड़े, बाजे-गाजे, नाच-गीत के साथ बाज़ारों में घुमाए जाते हैं। पिछले दशहरे की कुछ झलकें तुम्हारे लिए...

प्रस्तुति - विनीता जोशी , अल्मोड़ा

स्वामी रैक्स डी रोज़ारियो प्रकाशक, मुद्रक सी. एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक, एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल-462016, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589) से मुद्रित। सम्पादकः सुशील शुक्ल।